शैक्षणिक सत्र (2024-25)

विषय : संस्कृत

बारहवीं: श्रेणी

पाठ्यक्रम

1 व्यावहारिक संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अनुवाद ।

2 समास : तत्पुरुष (सप्तमी विभिक्त तक) नञ्, अलुक् ।
अथवा
प्रत्यय: कृदन्त प्रत्यय- तव्यत्, अनीयर्, यत्, ल्युट्, तुमुन् ।

3 कारक : अशुद्ध- शुद्ध वाक्यों पर आधारित ।

4 प्राचीन लेखकों/कवियों का साहित्यिक परिचय ।

5 शब्द रूप : (पु.) गो, पितृ , राजन् , चन्द्रमस् ।
(नपुं.) मित्र, अक्षि, पयस् ।
(स्त्री.) बाला, स्त्री, वधू ।

6 धातु रूप : (लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृटलकार्)

भ्वादिगण : (परस्मैपद) भू, व्रज्, खाद् ,घ्रा ।
अदादिगण : (प.) अस् , हन् ।
चुरादिगण : (प.) दण्ड् ।
तनादिगण : (प.) कृ ।
क्रयादिगण : (प.) ज्ञा , ग्रह् ।

7 गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद ।

8 पद्यों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित अर्थ ।

9 पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्न ।

10 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में प्रश्न ।

11 पाठों के अभ्यासों में से यथानिर्दिष्ट परिवर्तन ।

अथवा

पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग ।

12 **अलंकार: –**

(i) शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक।

(ii) अर्थालंकार – रूपक, उत्प्रेक्षा, उपमा, अर्थान्तरन्यास।

अथवा

छन्द :– अनुष्टुप् , वंशस्थ, मालिनी, शिखरिणी, पंचचामरम् , वसन्ततिलका ।

13 **निबन्ध** :– नीचे लिखे विषयों पर संस्कृत में सरल निबन्ध (लगभग 100 शब्दों में)
सत्संगति, परोपकार:, आदर्श – छात्र:, मम प्रिय– पुस्तकम्, कश्चिद् महापुरुष:, कश्चिद् उत्सव:, समाचार पत्राणां लाभा:।

अथवा

हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (1 से 15 अभ्यास तक)

14 सुंदर लिखाई ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : संस्कृत सौरभम्– 12 पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित।

पाठ्यक्रम (2020-21)

विषय : संस्कृत

कक्षा : बारहवीं

(प्रश्न- पत्र की रूपरेखा)

समय : 3 घण्टे **कुल अंक : (लिखित=75+5 सुन्दर लिखाई) =80**

आन्तरिक मूल्यांकन = 20

भाग क

अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

इस भाग में मिलान से संबंधित अथवा हाँ/नहीं अथवा सही/गलत अथवा बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले, किसी भी प्रकार के **प्रश्न** पूछे जा सकते हैं ।

1 पाठ्यक्रम में दिए गए व्यावहारिक संस्कृत शब्दों से संबंधित सात प्रश्न पूछे जाएं । जिनमें से पाँच शब्दों का हिन्दी में अनुवाद करने को कहा जाए। 5x1=5

2 पाठ्यक्रम में दिए गए समासों से संबंधित सात समस्त पद दिए जाएं जिनमें से पाँच का उत्तर करने को कहा जाए ।

अथवा

पाठ्यक्रम में दी गई धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने के लिए सात धातुएं तथा प्रत्यय दिए जाएं जिनमें से पाँच करने को कहा जाए । 5x1=5

3 कारक सम्बन्धी अशुद्धि वाले सात वाक्य दिये जायें जिनमें से पाँच वाक्यों को शुद्ध करने को कहा जाये। 5x1=5

4 प्राचीन लेखकों/कवियों के साहित्यिक परिचय से संबंधित सात **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएं जिनमे से पाँच का उत्तर लिखने को कहा जाए। 5x1=5

5 पाठ्यक्रम में दिए गये शब्द रूपों में से संबंधित आठ शब्दरूपों में प्रश्न पूछे जायें जिनमें से केवल छ: शब्दों के उत्तर लिखने को कहा जाए । 6x1=6

6 पाठ्यक्रम में दिए गये धातु रूपों में से संबंधित आठ धातुरूपों में प्रश्न पूछे जायें जिनमें से केवल छ:का उत्तर लिखने को कहा जाए । 6x1=6

7 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में सात लघु प्रश्न दिए जाएं। जिनमें से पाँच का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए। 5x1=5

भाग ख
(पाठ्य पुस्तक)

नोट : प्रश्न आठ तथा नव का उत्तर हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में दिया जा सकता है ।

8 तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद करने को कहा जाए । 2x4=8

9 तीन पद्य दिए जाएं जिनमें से दो का प्रसंग सहित अर्थ लिखने को कहा जाए।दो अंक प्रसंग के तीन अंक अर्थ के निधारित है । 2x4=8

10 पाठों के अभ्यासों में से पांच प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं, जिनमें से तीन का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए । 3x2=6

11 यथानिर्दिष्ट परिवर्तन के सात वाक्य दिए जाएं जिनमें से पाँच वाक्यों में परिवर्तन करने को कहा जाए।

अथवा

पाठों के अभ्यासों में से सात संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से पाँच शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करने को कहा जाए। 5x1=5

भाग–ग

(व्याकरण भाग)

12 पाठ्यक्रम में दिए भेद रहित अलंकारों से संबंधित चार प्रश्न दिए जाएं जिनमें से दो शब्दालंकार तथा दो अर्थालंकार हों तो उचित है । चार अलंकारों में से केवल दो की परिभाषा तथा उदाहरण लिखने अपेक्षित हो । परिभाषा तथा उदाहरण का एक–एक अंक निश्चित है ।

अथवा

पाठ्यक्रम में निश्चित छंदों से संबंधित चार प्रश्न दिए जाएं जिनमें से दो मात्रिक तथा दो वर्णिक छंद हों तो उचित है । चार छंदों में से केवल दो की परिभाषा तथा उदाहरण लिखने अपेक्षित हो ।परिभाषा तथा उदाहरण का एक–एक अंक निश्चित है । 2x2=5

13 पाठ्यक्रम में निश्चित् तीन निबंध देकर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में निबंध लिखने को कहा जाए ।

अथवा

10 हिन्दी वाक्य दिए जाएं जिनमें से छ: वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए । 6

आन्तरिक मूल्यांकन

आन्तरिक मूल्यांकन के कुल 20 अंक हैं, जो दो भागों में विभक्त किया गया है।

भाग– क (गतिविधियां) अंक 10

यह मूल्यांकन विद्यार्थी द्वारा पूर्ण साल में की गई गतिविधियों पर आधारित होगा।

(क) विद्यार्थी की कक्षा में उपस्थिति = 2 अंक

(ख) गृहकार्य = 2 अंक

(ग) घरेलू परीक्षाओं पर आधारित मूल्यांकन = 4 अंक

(घ) पुस्तक बैंक = 2 अंक (विद्यार्थी पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के संग्रह में योगदान देगा जिससे पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के भण्डार में वृद्धि होगी)

भाग– ख (परियोजनाकार्यम्) अंक 10

यह मूल्यांकन संस्कृत भाषा के प्रति विद्यार्थी के सामान्य ज्ञान पर आधारित होगा । निम्नलिखित विषयों पर विद्यार्थी के ज्ञान का परीक्षण किया जाये।

(1) वाचन कौशल– वाचन कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की वाचन कुशलता को विकसित करने के लिए पठ्य–पुस्तक में दिए गए गद्य– पद्य भाग में कोई एक अनुच्छेद पढ़ने को दिया जायेगा । **अंक= 3**

लाभ–

1. हाव– भाव सहित शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास ।
2. व्याकरणिक दृष्टि से उच्चारण में शुद्धता का विकास ।

3. विद्यार्थियों में भाषण कौशल का विकास ।
४. प्राचीन संस्कृत साहित्य पढ़ने की रूचि का विकास

(2) श्रवण कौशल– श्रवण कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की श्रवण कुशलता को विकसित करने के लिए पठित सामग्री को सुनकर अर्थ ग्रहण करना,वार्तालाप करना, वाद–विवाद, संस्कृत गीतों को सुनने की कुशलता का विकास करना ।

अंक= 3

लाभ–
1. श्रवण के माध्यम से विद्यार्थियों मे एकाग्रता विकसित होगी ।
2. मनन शक्ति का विकास होगा ।
3. प्राचीन संस्कृत साहित्य सुनने की रूचि का विकास होगा ।

(3) अध्यापक परियोजनाकार्य भाग में स्वतन्त्र रूप से भी कक्षा में कार्य करवा सकता है। परियोजनाकार्य का उद्देश्य संस्कृत भाषा में विद्यार्थी के लेखन कौशल का विकास करना है । इसके अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर अध्यापक द्वारा विद्यार्थिओं को परियोजना तैयार करने को कहा जाएगा, जिसका मार्गदर्शन अध्यापक करेगा । परियोजना लिखते समय उसे रुचिपूर्ण बनाने के लिए विद्यार्थी चित्रों का प्रयोग भी कर सकता है ।

अंक=4